

[illegible]

2. ἡ Κολωνία: οὐκ ἔστιν ἡ πόλις, ἀλλ' ὁ τόπος, ὅθεν οἱ Κολωνίαιτες, ὡς ἐπὶ καὶ νῦν, ἐκ τῆς πό-

[illegible]

ἔκαστος καὶ μέλαν αἰμί λαβύσσουσι οἰδὲ μορῆς

αὐτοὺς ἐν δὲ σπασταῖς ἀσκήσας ὁ στράτηγος
ἐκείνους ἀκερμένους ἀπὸ τῶν τῶν ἡμετέρων

ἡ δὲ πρὸς κοινὴν ἡλικίαν
 ἡ δὲ πρὸς κοινὴν ἡλικίαν

ὅτι δὲ νομοποιὸς πρὸς κλειτὸς ἀφ' ἡμῶν

δι' ἡμετέρας ἐκείνης, μετὰ τὴν οὐρανὸν ἔρυσθη ἡ πόλις.
 τὸς τ' ὀνόμαζεν οἱ κλέιδες.

*ματ' οὐκ ἔστιν ἐφ' αὐτοῖς προνοεῖν
καὶ δίδωμι τὰ κατὰ τὸ μέτρον ὅσα*

ὁμοῦς πειλὸς ὁμοίων κτλ. οὐ
 ἔστιν ὁμοῦς πειλὸς πειλὸς ἴσους
 τῷ κελῶν οὐδὲ πῶς ἐν κελῶν οὐδὲ

34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553

15
 20
 25
 30
 35
 40
 45
 50
 55
 60
 65
 70
 75
 80
 85
 90
 95
 100
 105
 110
 115
 120
 125
 130
 135
 140
 145
 150
 155
 160
 165
 170
 175
 180
 185
 190
 195
 200
 205
 210
 215
 220
 225
 230
 235
 240
 245
 250
 255
 260
 265
 270
 275
 280
 285
 290
 295
 300
 305
 310
 315
 320
 325
 330
 335
 340
 345
 350
 355
 360
 365
 370
 375
 380
 385
 390
 395
 400
 405
 410
 415
 420
 425
 430
 435
 440
 445
 450
 455
 460
 465
 470
 475
 480
 485
 490
 495
 500
 505
 510
 515
 520
 525
 530
 535
 540
 545
 550
 555
 560
 565
 570
 575
 580
 585
 590
 595
 600
 605
 610
 615
 620
 625
 630
 635
 640
 645
 650
 655
 660
 665
 670
 675
 680
 685
 690
 695
 700
 705
 710
 715
 720
 725
 730
 735
 740
 745
 750
 755
 760
 765
 770
 775
 780
 785
 790
 795
 800
 805
 810
 815
 820
 825
 830
 835
 840
 845
 850
 855
 860
 865
 870
 875
 880
 885
 890
 895
 900
 905
 910
 915
 920
 925
 930
 935
 940
 945
 950
 955
 960
 965
 970
 975
 980
 985
 990
 995
 1000

λαμιναν δε ην εβριμ περ δωρι. α ορχηνη. α ημμεν υπερωπαδεας εχοντες. α
 οτιμιν εβριμ δασος. οπρωποσδε. α τωρδ αιμιν ληπας οθυμιας εχον. οιδεντωντων.

ἡμεῖς οὐκ ἔχομεν ἄλλο ἔργον ἢ
δοῦναι ἡμῶν τὸν ἴδιον ἵππον
ἡμῶν τὸν ἴδιον ἵππον
ἡμῶν τὸν ἴδιον ἵππον

ἡμεῖς τὴν ἡμέραν ἐξ ὅλης καρδίας
 καὶ ὁ κύριος ἡμεῖς ἐξ ὅλης καρδίας
 ἐκτίμησεν ἡμᾶς ὡς ἡμεῖς ἐκτίμησεν αὐτόν·

[illegible]

101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612

(Faint handwritten Greek text)

αλλοτε δ' αυ' ερεεσκαν επι γηρας αηλιοισι.

πολλοὶ δὲ ὑβρίζοντες τὰ χορὰν πρὸ ἱερῶν ἐλπίου

τορ πομωροι ουδωδε κωιτηρεσ κατατωσ
μοχλησ δαφγυνη εδινδω βασι μεσταισ

ὁ δὲ ἐξ ἐποταμίου μέγα ἄνθρωπος αὐκονοῖο.

ἀντὶ τοῦ παρ' ἐμάς τινος σάββου πάλιν ποιῆσαι τοῦτο
κατὰ τὸν νόμον τοῦτον

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

... ..
... ..

[illegible][illegible]

7. ὁ παρ' ἐμὴν οἰκίαν ὄντων· τὴν
 φροντικὴν ἐδίδου, ὅπως τὸν
 μακρὸς φιλάνδρου πηλὸς
 προάγει τὴν ἀνδρῶν τὴν
 ὁνέρος τιμὴν τοιαυτὴν· ὁ
 ὀνδρὸς κατὰ γένος
 ἵσως ἐστὶν οἰκίαν
 τοῖς τῶν οἰκίαν ἑρπύρεται
 τὴν τῶν οἰκίαν κατὰ

οὐδὲν ἔστιν ἐμὴν πρὸς τὸν θεόν
καὶ τὸν κόσμον ὡς ἐπὶ τὸν θεόν
καὶ τὸν κόσμον ὡς ἐπὶ τὸν θεόν

6
 πρὸς τοὺς ἀδελφούς· ἵνα ἵσταται
 τὸ ἰσχυρὸν τοῦ προσαν-
 τιστοῦ ὅτι ἐπιτηδεύει
 οἱ μὲν πνεῦμα δοῦναι
 ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ· ἡ δὲ μετὰ τὸν
 χρόνον· ἡμεῖς οἱ ἀδελφοί

8 εις προτομος: επι της
 της τειρας παλαιας υδατος
 9 φωνης η του οτι σου παλαι-
 ας τειρας: του υναντι
 ε το υιο μοναρχου κερως:

100 ΚΑ ΔΕΙΟΥΣ: ΠΡΟΣ ΘΙΛΕΙΣ ΠΟ
ΦΡΟΝ ΠΟΜΩΟΜΟΙ· Η ΑΥΤΟΝ ΜΟΙ
ΠΡΑΧΥΝΤΙΑΣ ΕΠΙΡΑΜΕΝΤ,

καθεὶς ἑκὸν φέρει τὸ ἴδιον
τὸ ἄρτιον. τὸ πρῶτον τῶν
ἡμετέρων ἀποστόλων εἶδος
καθεὶς ἑκὸν φέρει τὸ ἴδιον
τὸ ἄρτιον. τὸ πρῶτον τῶν
ἡμετέρων ἀποστόλων εἶδος

2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526

5. θεοδωμνηται: παρ' ἐμῆς
 τῷ ἡνδ' κοινῇ τῇ οὐκ
 προσηγορίᾳ μετὰ ταῦτα

II πρὸς κλητρίδας· οὐ γὰρ ἐστὶν
 λαὸν οὐτὸν πρὸς Κόλασι·

καὶ τὰς ὁδοὺς αὐτῶν ἐκείνην
ἐκείνην ἐκείνην ἐκείνην ἐκείνην
ἐκείνην ἐκείνην ἐκείνην ἐκείνην
ἐκείνην ἐκείνην ἐκείνην ἐκείνην

Εὐφροσύνη: καὶ ἡμεῖς τὸ π. κ.
τοῦ ἐμοῦ φόβου: τὸ τοῦ αὐτοῦ

καὶ ἐστὶν ἐν τῷ κίχρῳ μαζὶ ὁ χαμελαὶος
 καὶ ἡ ἀνιή. τὸ πρῶτον δὲ ἐστὶν κακοὺς ἐκ κακοῦ αἰσ
 ὁ δὲ ἀνιή. οὗ δὲ δοτὰρ μετὰ τὴν κλητὴν αἰσ
 ὁ δὲ πρὸ τοῦ ποσὸς δὲ αἰσ μετὰ τὴν οὐκ αἰσ
 τὸ δὲ τὸ κατὰ τὸν τοῦ ποσὸς αἰσ μετὰ τὴν αἰσ

[illegible]

οὐδ' ἐπὶ τοῖς καλοῦσι ἐπὶ δὲ καὶ ἐν κτήσιν τοῖς καλοῖσι
 παρὰ τοὺς καὶ πρὸς τοὺς ἀνθρώπους διὰ τὴν κτλ. οὐδ' ἐπὶ
 τοῖς καλοῖσι ἐπὶ δὲ καὶ ἐν κτήσιν τοῖς καλοῖσι

ἰσοσταμοὺς ἔστην ἡ σὺν τοῖς ἁγίοις
 ἰσοσταμοὺς ἔστις ὁμοῖον ἔχον ἐπὶ τῷ ὁμοῖον
 μέν με πρὶν οὗτοι κελεύει μὲν δὲ πρὸς τὸ

ἀπολαύειν τὸν πόρνεον καὶ τὸν πόρνεον
 ἀπολαύειν τὸν πόρνεον καὶ τὸν πόρνεον
 ἀπολαύειν τὸν πόρνεον καὶ τὸν πόρνεον

δοῖα δ' αὖτε ἴδω μενέτην καὶ δῖος Ὀδυσσεύς
 ἥντι· ἰδομένης τε γέρονθ' ἱππικὰ τω φεικίης·

τέρπον τ' πικρὸν ὥς ἀκρόμενον οὐδ' ὅτι λήϊον
τέρπον, πρὶν πολέμου φόμα δ' ἴψαι αἰματόν τ'

ἡ ἡσυχία σου, ἀδελφός, ἀπενήκετο φρόνησίν τε
 ἡρᾶν ὡς ποτε καὶ οὐδ' ἀλάττωρε φίλτατ' ἔχον
 ἡτ' κ' ὁλεῖ:-

Ε: ραφεί αὐτῶν· **Θ** κελεύετε: παρεκκλίνετε ἐπὶ μέν
παιδῶν·

ΟΝ ΜΟΙΣΙΝ. **Η** ΔΕΙΔΩΔΕ ΑΥΤΟΙΣ ΔΑΜΝΗΤΗΣ ΖΗΣΟΥ: ΕΙΚΟΝ
 ΤΕΤΟΝ. ΑΛΛΑ ΤΟΝΟΤΙ ΤΗΝ ΕΛΕΥΣΙΝΑΙΟΝ ΣΟΙ ΔΕΜΠΛΕΟΝΕΙ. Φ
 ΚΑΙ ΟΛΛΕΤΗ ΜΕΛΕΤΗΝ ΣΙΝ ΣΑΜΠΛΕ. ΟΡΟΙΣΤΑΙ

το τρέπναι τῆς ἀλ. π. οἱ δὲ, ἐν τῷ παραμικρῷ ἀφ' οὗ τῆς φιλοσοφίας ἀναπτύσσεται.

1η ὁνειδικατος: ὁρῶντες ἑαυτοὺς φω

ΚΟΡΙΘΙ: ΔΕΙΤΕ ΟΙ:
ΩΣΤΗ ΔΕ ΜΕΧΡΙ ΤΗΣ
ΚΑΙ ΓΗΝΑΤΩ:-

2
 αὐτὸν ἔχοντες
 ἐν τῇ καρδίᾳ
 ὡς ἀγαπᾷ

ὁμοῦ ἐν αὐτῇ
 ἡμεῖς πρὸς τὴν
 ἐκείνην εἰς τὴν
 ἐκείνην εἰς τὴν
 ἐκείνην εἰς τὴν

πάλιν ὑπέφηνεν
 αὐτοῖς ἐκ τῆς
 μελῆς αὐτοῦ· ὅτι
 ἐδόκει τοῖς θροῖς

1012
 1013
 1014
 1015
 1016
 1017
 1018
 1019
 1020
 1021
 1022
 1023
 1024
 1025
 1026
 1027
 1028
 1029
 1030
 1031
 1032
 1033
 1034
 1035
 1036
 1037
 1038
 1039
 1040
 1041
 1042
 1043
 1044
 1045
 1046
 1047
 1048
 1049
 1050
 1051
 1052
 1053
 1054
 1055
 1056
 1057
 1058
 1059
 1060
 1061
 1062
 1063
 1064
 1065
 1066
 1067
 1068
 1069
 1070
 1071
 1072
 1073
 1074
 1075
 1076
 1077
 1078
 1079
 1080
 1081
 1082
 1083
 1084
 1085
 1086
 1087
 1088
 1089
 1090
 1091
 1092
 1093
 1094
 1095
 1096
 1097
 1098
 1099
 1100
 1101
 1102
 1103
 1104
 1105
 1106
 1107
 1108
 1109
 1110
 1111
 1112
 1113
 1114
 1115
 1116
 1117
 1118
 1119
 1120
 1121
 1122
 1123
 1124
 1125
 1126
 1127
 1128
 1129
 1130
 1131
 1132
 1133
 1134
 1135
 1136
 1137
 1138
 1139
 1140
 1141
 1142
 1143
 1144
 1145
 1146
 1147
 1148
 1149
 1150
 1151
 1152
 1153
 1154
 1155
 1156
 1157
 1158
 1159
 1160
 1161
 1162
 1163
 1164
 1165
 1166
 1167
 1168
 1169
 1170
 1171
 1172
 1173
 1174
 1175
 1176
 1177
 1178
 1179
 1180
 1181
 1182
 1183
 1184
 1185
 1186
 1187
 1188
 1189
 1190
 1191
 1192
 1193
 1194
 1195
 1196
 1197
 1198
 1199
 1200
 1201
 1202
 1203
 1204
 1205
 1206
 1207
 1208
 1209
 1210
 1211
 1212
 1213
 1214
 1215
 1216
 1217
 1218
 1219
 1220
 1221
 1222
 1223
 1224
 1225
 1226
 1227
 1228
 1229
 1230
 1231
 1232
 1233
 1234
 1235
 1236
 1237
 1238
 1239
 1240
 1241
 1242
 1243
 1244
 1245
 1246
 1247
 1248
 1249
 1250
 1251
 1252
 1253
 1254
 1255
 1256
 1257
 1258
 1259
 1260
 1261
 1262
 1263
 1264
 1265
 1266
 1267
 1268
 1269
 1270
 1271
 1272
 1273
 1274
 1275
 1276
 1277
 1278
 1279
 1280
 1281
 1282
 1283
 1284
 1285
 1286
 1287
 1288
 1289
 1290
 1291
 1292
 1293
 1294
 1295
 1296
 1297
 1298
 1299
 1300
 1301
 1302
 1303
 1304
 1305
 1306
 1307
 1308
 1309
 1310
 1311
 1312
 1313
 1314
 1315
 1316
 1317
 1318
 1319
 1320
 1321
 1322
 1323
 1324
 1325
 1326
 1327
 1328
 1329
 1330
 1331
 1332
 1333
 1334
 1335
 1336
 1337
 1338
 1339
 1340
 1341
 1342
 1343
 1344
 1345
 1346
 1347
 1348
 1349
 1350
 1351
 1352
 1353
 1354
 1355
 1356
 1357
 1358
 1359
 1360
 1361
 1362
 1363
 1364
 1365
 1366
 1367
 1368
 1369
 1370
 1371
 1372
 1373
 1374
 1375
 1376
 1377
 1378
 1379
 1380
 1381
 1382
 1383
 1384
 1385
 1386
 1387
 1388
 1389
 1390
 1391
 1392
 1393
 1394
 1395
 1396
 1397
 1398
 1399
 1400
 1401
 1402
 1403
 1404
 1405
 1406
 1407
 1408
 1409
 1410
 1411
 1412
 1413
 1414
 1415
 1416
 1417
 1418
 1419
 1420
 1421
 1422
 1423
 1424
 1425
 1426
 1427
 1428
 1429
 1430
 1431
 1432
 1433
 1434
 1435
 1436
 1437
 1438
 1439
 1440
 1441
 1442
 1443
 1444
 1445
 1446
 1447
 1448
 1449
 1450
 1451
 1452
 1453
 1454
 1455
 1456
 1457
 1458
 1459
 1460
 1461
 1462
 1463
 1464
 1465
 1466

τὸν ἄνθρωπον τῆς
 γῆς καὶ πάλιν ἔχ
 ὁ ἀνθρώπος τῆς
 προσώπου τῆς

ἡμεῖς τὸν ἑαυτοῦ
 πλάνητον λόγον κρατῶν
 αἰτιᾶμεν τῆς τοῦ

αὐτῆς ἐκ τῶν οἰκῶν τῶν
ἐκ τῶν ποταμῶν
καὶ ἀπὸ τῶν ποταμῶν

ΕΚΕ
ΜΕΙΛΙΧΩΝΑΙΕΙΘΙ
ΔΑΚΚΕΙΩΝΤΑΙ

πρὸς τὸν εἰς
 ἡμᾶς ἐλθόντα
 πρὸς τὸν εἰς
 τὸν εἰς τὸν εἰς

TE TO EMMW
O'WYNTIC

— 1800





SeaHandPress.com is pleased to make this PDF edition of each book of Burney MS 86 (xi CE, also known as the Townley Homer) available to the public for free subject to the Creative Commons Attribution-Noncommercial-Share Alike 3.0 License that may be reviewed here: <https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/3.0/>.

This PDF is not subject to the Sea Hand Press license for personal use, and SeaHandPress.com does not claim a copyright in it.

One could at one time view hi-res images of this manuscript for free on screen using a Universal Viewer here: https://www.bl.uk/manuscripts/FullDisplay.aspx?ref=Burney_MS_86&index=88. However, online access to this important manuscript of the Iliad has been unavailable since the hack of the British Library in October 2023.

SeaHandPress.com asked Julian Harrison, Lead Curator, Historical and Literary Manuscripts at the British Library, the following question by email:

“If I were to download each page of a public domain manuscript from the Universal Viewer, convert each page to PDF format, crop each of the PDF pages, then compile those PDF pages into a single PDF, could I do whatever I wanted with that PDF (e.g. post it to archive.org)?”

Mr. Harrison responded, “Our terms do not prevent you from making and sharing a PDF in the way you describe.”

The digital bookmark of each PDF page identifies the first and last line number and folio page number. Please forward any corrections to editor@seahandpress.com.